

17-02-2021

Zoom00017

17

17

बात कोबा वाधा $\Rightarrow$ लतीफ खां 50% रनाकर खां
गाँव काठोद

विवरण (संराश) $\Rightarrow$ 59 काले

इस में यह कहा है कि मे
आयो है, जकास पिछे छोडे छोरे बालक
और इन समय किसी आफती आई थी।

विवरण (संराश) $\Rightarrow$ कलजुग

इस में यह कहा है कि
पहले लोग खच बोलते थे, और
कलजुग में तो लोग अपने
भाई परिवार पर शकीन नहीं
करते हैं आज के युग में
औरते भी पहले जैसी राज
नहीं कहती हैं

Zoom00018

559.

विवरण (संराश) कुरजो

यह गाना एक मुस्लिम समाज कि
सड़की ने अपने ससुराल में
बठी गाया कि मेरे गाँव के
जैसे रास्ते और रंग के पहाड
हैं

Zoom00019

-

559.

विवरण (संराश) मोहर मेन्दी

यह गाना मुस्लिम समाज के
सड़के कि शादी का है
इस में कहा कि मेहदी लाने दे
फिर दुल्हे के हाथों और
पैरों में लगाने दो